- । कपिवल्ली कोलवल्ली अयसी विशिरः "[पुमान्]।
- 2 चव्यं ^b [त्] चिवका ^c
- काकचिञ्ची गुञ्जे [तु] कृप्तला ॥ १६॥
- 4 पलंकाषा [त्व्] रुषुगन्धा श्वरंष्ट्रा स्वारुकण्टकः।
- 5 गोकण्टको गोक्ष्यको वनशृङ्गाट [इत्यपि]॥१९॥
- 6 विश्वा विषा प्रतिविषातिविषोपविषारुणा^d।
- 7 श्रुङ्गो महीषधं [चा-]
- 8 [-घ] स्रीग्वी दुग्धिका [समे] ॥ १६॥
- 9 शतमूली वकुसुताभीक्र् ^६ इन्दोवरी वरी।
- 10 ऋष्यप्रोक्ता-भीरूपत्री-नारायण्यः शतावरी ॥ १६॥
- 11 ऋहेहरू
- 12 त्रिष्ठ] पीतदू-कालेयक ⁸-हिर्द्रवः ^h।
- 13 दार्वी पचम्पचा ं दारुहिरद्रा पर्जनी-[-त्यिप] ॥ २०॥
- 14 वचोयगन्धा ^j षर्यन्था गोलोमी शतपर्विका।
- (2) Plante qui produit ce poivre [ou synonyme du précédent; ou encore nom d'une plante différente; tetranthera apetala, Roxb.; *piper chavya, R. Wils. Dict.] (3) Ratti [vulg.] abrus precatorius. (4, 5) Gokharou [vulg.] barleria [ou ruellia] longifolia. [Le nom de gokharou semble être aussi appliqué au tribulus lanuginosus.] (6, 7) Atis [vulg.] betula? (Asiatic Researches, t. VI, p. 573). (8) Dudhi [vulg.] asclepias rosea, R. et autres espèces. (9-11) Satâvarî [vulg.] asparagus racemosus, Willd. (12, 13) Dâru haldî [vulg.] amomum xanthorrhizon, Roxb. *curcuma xanthorrhizon, Wils. Dict. (14) Iris des marais? iris pseudacorus?
- "Et विसर्: "Aussi चव्या. "Ou चर्वा et चिवकः "प्रतिविधा, भ्रतिविधा, अपिष्ठा, उपविधा, भ्रह्मा. "वहुसुता, भ्रभोहः. "Sing. नारायणी. "Aussi कालीयकः. "हिर्दू. "Également पचम्बचा. "वचा, उग्रगन्धाः